(COVER PAGE)
(2021)

भारतीय करों का वर्गीकरण: प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष

डॉ0 राम शंकर पाण्डेय
विरेन्द्र कुमार सैनी

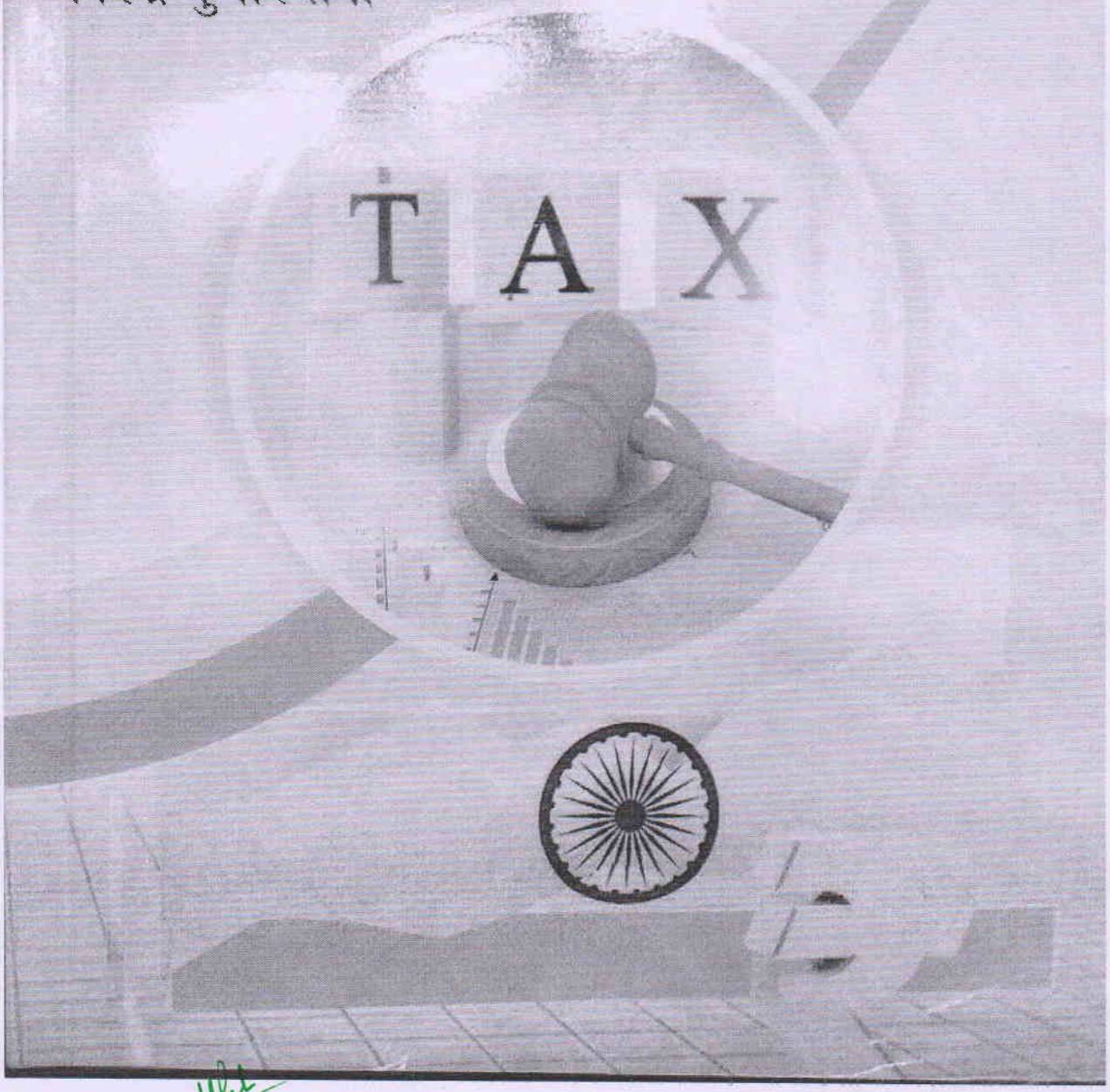

Dr. Madhulika Pathak
Principal
Government Degree College
Kanda (Bageshwar)

Scanned with CamScanner

All rights are reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior permission of the copyright holder.

© Editor : डॉ० राम शंकर पाण्डेय , विरेन्द्र कुमार सैनी

Publisher : World Lab Publication

Address : TF-2 Sec-1, Vasundhara,
Ghaziabad, Uttar Pradesh 201012

Phone : 9810080056, 9310388806

E-mail : worldlabpublication@gmail.com

Website : www.worldlabpublication.com

Edition : 2021

ISBN : 978-93-90734-34-4

Price : 800/-

Printed in : India

Dr. ...adhulika Pathak
Principal
Government Degree College
Kanda (Bageshwar)

Scanned with CamScanner

(Content Page)

भारतीय करो का वर्गीकरण: प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष

क्र० सं०	अध्याय	लेखक	पृ० सं०
1	इतिहास के विभिन्न काल खंडों में राजस्व व्यवस्था	अभिषेक कुकरेती	1-10
2	करों की परिभाषा, विशेषताएं एवं वर्गीकरण	डॉ. अनुराग शर्मा एवं डॉ0 मनोज सिंह बिष्ट	11-20
3	अच्छी कर प्रणाली की विशेषताएं	डॉ. महिमा तीसालेन टोप्पो	21-26
4	विकासशील देशों में करों का समाज पर प्रभाव	मानवेन्द्र सिंह	27-34
5	इतिहास के विभिन्न काल खंड और समाजार्थिक राजस्व व्यवस्था	डॉ0 नीलम टण्डन	35-45
6	प्रत्यक्ष करों के गुण व दोष	डॉ0 सचिन अग्रवाल	46-54
7	साहित्य में आदर्श कर प्रणाली	डॉ0 आलोक मिश्रा एवं डॉ0 श्रीकांत मिश्रा	55-59
8	विकासशील अर्थव्यवस्था में कर प्रणाली	डॉ0 मधुकर श्याम शुक्ला एवं डॉ0 राम शंकर पाण्डेय	60-68
9	15वां वित्त आयोग	डॉ0 हरीश चन्द्र रतूड़ी एवं नेतराम	69-74

Dr. Madhulika Pathak
Principal
Government Degree College
Kanda (Bageshwar)

Scanned with CamScanner

(Furst page of publication)

6

प्रत्यक्ष करों के गुण व दोष

डॉ0 सचिन अग्रवाल
असिस्टेंट प्रोफेसर–वाणिज्य विभाग
राजकीय महाविद्यालय कांडा (बागेश्वर) उत्तराखण्ड

सरकार की आय का प्रमुख साधन कर होता है। कर का आशय एक प्रकार का बोझ है जो समाज के व्यक्तियों, फर्मों द्वारा अनचाहे मन से उठाना पड़ता है। कोई भी व्यक्ति कर का भुगतान अपनी इच्छा से नहीं करना चाहता है इसीलिए सभी व्यक्ति कर को एक बोझ समझते है।

अर्थव्यवस्था मे दो प्रकार के कर होते है – प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर। कराघात और करापात की दृष्टि से, कर का प्रारम्भिक भार जिस व्यक्ति पर पड़ता है, उसे कराघात अथवा कर का दबाव कहते है किन्तु जिस व्यक्ति पर कर लगाया जाता है वह उसे दूसरे पर स्थानान्तरित करने में सफल हो जाता है अर्थात कर का अन्तिम भुगतान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया जाता है उसे कराघात कहते है। सामान्यतः प्रत्यक्ष कर वे कर होते है जिनका भुगतान एक ही बार मे सीधे व्यक्तियों द्वारा सरकार को कर दिया जाता है। जिन पर कर लगाया जाता है अर्थात उनके भार को दूसरे पर टाला नहीं जा सकता किन्तु अप्रत्यक्ष कर वे होते है जिनका भुगतान पहले तो उत्पादकों द्वारा दिया जाता है बाद में उपभोक्ताओं पर टाल दिया जाता है। इस प्रकार संक्षेप में, प्रत्यक्ष करों में कर का दबाव एवं भार एक ही व्यक्ति पर पड़ता है, जैसे– आयकर, सम्पत्ति कर एवं उपहार कर, जबकि अप्रत्यक्ष करों में कराघात और करापात

भिन्न–भिन्न व्यक्तियों पर पड़ता है जैसे– उत्पाद शुल्क, वस्तु एवं सेवा कर आदि।

प्रो0जे0एस0 मिल के अनुसार– "प्रत्यक्ष कर वह कर है जिसे उन्ही व्यक्तियों से मांगा जाता है जिससे उसे भुगतान करने की आशा की जाती है और अप्रत्यक्ष कर वह है जो व्यक्ति से इस आशा के साथ मांगा जाता है कि वह दूसरे पर बोझ डालकर अपनी क्षतिपूर्ति कर लेगा"

फिण्डले शिराज के अनुसार"– "प्रत्यक्ष कर दो प्रकारके होते है जो व्यक्तियों की सम्पत्ति और आय पर तत्काल लगाये जाते है और करदाताओं द्वारा सीधे सरकार को भुगतान किये जाते है, जैसे– आयकर, सम्पत्ति कर, उपहार कर इत्यादि। इनके अतिरिक्त अन्य कर अप्रत्यक्ष कर की श्रेणी में आते है जो उपभोक्ताओं द्वारा वस्तुओं के उपभोग और उनसे आनन्द के माध्यम से उनकी आय को प्रभावित करते है, जैसे व्यापार कर, मनोरंजन कर, वस्तु एवं सेवा कर इत्यादि।

प्रत्यक्ष करों के गुण व दोष निम्न प्रकार है:–

प्रत्यक्ष करों के गुणः–

1.करों का चयनः प्रत्यक्ष करों का एक महत्वपूर्ण गुण यह है कि करों का अपनी इच्छानुसार चयन किया जा सकता है तथा आवश्यकतानुसार करों की दरों का निर्धारण किया जा सकता है। प्रत्यक्ष कर का सिद्धांत भुगतान करने की क्षमता से सम्बन्धित है। प्रत्यक्ष कर व्यक्तियों के भुगतान करने की क्षमता के अनुरुप निर्धारित किये जाते है। अर्थात् अमीर लोगो से अत्यधिक दर से कर वसूला जाना है जबकि गरीब लोगो से कम दर से कर वसूला जाता है। यह कर एक सामाजिक कल्याण प्रणाली को इंगित करता है। प्रत्यक्ष करों के मामले में

Scanned with CamScanner

Dr. Madhulika Pathak
Principal
Government Degree College
Kanda (Bageshwar)